आशा एवम ए. एन. एम. के लिये "वि-किरण जानकारी" विषय पर आयोजित प्रशिक्षण की रिपोर्ट
Accredited Social Health Activists [ASHAs]

भारत सरकार के राष्ट्रिय ग्रामीण स्वास्थ मिशन के अंतर्गत आशाओ [मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ गतिविधि] एवम ए. एन. एम. का कार्य बहुत महत्वपूर्ण होता है. ये गावो मे घर घर जा कर स्वास्थ सेवाऐ प्रदान करती है. मातृ एवम शिशु कल्याण, टीका-करण, गर्भवती महिलाओ के लिये आईरन एवम फोलिक ऐसिड कि दवाईयो का वितरण करना, चिकित्सालय मे सुरक्षित प्रसव को बढावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्रो मे घरेलु शौचालयो के निर्माण मे सहायता करना, इत्यादि इनके मुख्य कार्य है.

राष्ट्रिय ग्रामीण स्वास्थ मिशन के अंतर्गत, ज्ञान एवम दवाईयो से अधिकृत, एन आशओ को सार्वजनिक स्वास्थ कार्यक्रमो मे समुदायिक सहभागिता का उद्गम अथवा मूलस्रोत माना गया है.

ग्रामीण स्वास्थ कार्यक्रमो मे इनके बहुमूल्य योगदान की सराहना करते हुए, नरोरा परमणु बिजलि घर के व्यवसायिक स्वास्थ केंद्र ने ईनके लिये "वि- किरण जानकारी" विषय पर विषेश प्रशिक्षण का आयोजन किया.

डिबाई ब्लॉक मे कार्यरत 105 आशाए, 23 ए,एन,एम; एवम 7 सुपरवाईसर, अपनी सेवाऐ 24 उप-केंद्रो व्दारा 75 गावो मे 2,75,010 की जन संख्या को प्रदान करते हैं. प्रत्येक शुक्रवार के दिन 35 आशाए एवम उनके साथ काम करने वाले ए. एन. एम.; एवम सुपरवाइसर, कसेर कला प्राथमिक स्वास्थ केंद्र मे प्रशिक्षण सभा हेतु एकत्रित होते हैं. उनके इसी साप्ताहिक कार्यक्रम को ध्यान मे रखते हुए, एवम कसेर कला प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के अनुमति से, नरोरा परमाणु बिजली घर ने भी तीन आनुक्रमिक शुक्रवार [दिनांक - मार्च 13, 20 एवम 27, 2015] को "वि- किरण जानकारी" विषय पर विषेश प्रशिक्षण का आयोजन किया.

इस प्रशिक्षण के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह था कि आशाओ को वि-किरण सम्बंध मे आवश्यक जानकारी, परमाणु बिजली घर मे आपनायी जाने वाली सभी सुरक्षा विशिष्टताऐ, तथा आपदा से निपटने कि सम्पुर्ण तैयारी से अवगत कराया जाये.

प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार थी -

भोजन से पहले दो व्याख्यान, एवम भोजन के पश्चात पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला तथा प्रशिक्षण केंद्र के मॉडेल कक्ष का प्रदर्शन.

प्रथम व्याख्यान, डॉ राघवेंद्र देवलालीकर, सर्टिफाइंग सर्जन, ने प्रस्तुत किया. इस व्याख्यान का शिर्शक था - मेरा दोस्त वि-किरण. इस व्याख्यान मे उन्होने सर्वव्यापक वि-किरन के फायदे तथा प्रकृति से प्राप्त वि- किरण और वि-किरण चिकित्सा व्दारा प्राप्त वि-किरन की मात्रा के तुलने मे परमाणु बिजली घर से प्राप्त होने वाली वि- किरण कितनी कम है, इसका विवरण किया. उन्होने अपने व्याख्यान मे बिजली घर मे अपनाये जाने वाले सभी सुरक्षा विशिष्टताऐ, तथा आपदा से निपटने कि सम्पुर्ण तैयारी से अवगत कराया. आपदा की स्थति मे बाहरी संदूषण एवम उससे बचने के उपाये भी उन्होने बताये.

व्दितीय व्याख्यान – पर्यावरण सर्वेक्षण पर श्री अविनाश कुमार, प्रभारी अधिकारी पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला तथा श्री दिपक कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी /डी, ने प्रस्तुत किया. उन्होने अपने व्याख्यान मे, पर्यावरण सर्वेक्षण के विभिन्न तकनीक एवम आस पास के गावो से प्राप्त नमूनो की वि- किरण के लिये की जाने वाली जांचो का विस्तार से उल्लेख किया.

पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला मे सभी तकनीको का प्रदर्शन किया गया. प्रशिक्षण केंद्र के मॉडेल कक्ष के प्रदर्शन दौरान, परमाणु बीजली घर मे बीजली का उत्पादन कैसे किया जाता है, इसके बारे मे बताया गया.

समापन संदेश, प्रशिक्षण अधीक्षक, श्री गौरव शर्मा ने प्रस्तुत किया.

अंत मे डॉ राघवेंद्र देवलालीकर ने सभी सहभागियो का, कार्यक्रम मे शामिल होने के लिये, आभार व्यक्त किया.

यह कार्यक्रम, नरोरा परमाणु बिजली घर के केंद्र निदेशक श्री दिलबाग सिंग चौधरी, तथा मुख्य अधीक्षक श्री ए के दत्ता, के समर्थन, उनके प्रोत्साहन, तथा मार्गदर्शन एवम नेतृत्व मे सफल सम्पन्न हुआ. मैं तहदिल से उनका आभार व्यक्त करता हु.

कुल 118 सहभागियो ने इस कार्यक्रम मे भाग लिया.

इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे निम्न लिखित व्यक्तियो के बहुमुल्य योग्दान के लिये मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ.

- श्री दिलबाग सिंग चौधरी, केंद्र निदेशक, नरोरा परमाणु बिजली घर
- श्री ए के दत्ता, मुख्य अधीक्षक, नरोरा परमाणु बिजली घर
- डॉ अनिल नोर्टन, चिकित्सा अधीक्षक, नरोरा परमाणु बिजली घर चिकित्सालय,
- श्री गौरव शर्मा, प्रशिक्षण अधीक्षक, नरोरा परमाणु बिजली घर
- डॉ नरेश गोयल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, कसेर कला प्रथमिक स्वास्थ केंद्र
- श्री अविनाश कुमार, प्रभारी अधिकारी पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला, नरोरा परमाणु बिजली घर
- श्री दिपक कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी /डी, पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला, नरोरा परमाणु बिजली घर
- श्री पुतान सिंग तोमर, वरिष्ठ प्रबंधक, मानव संसाधन, नरोरा परमाणु बिजली घर
- श्री एम, के, टंडन, वरिष्ठ प्रबंधक, मानव संसाधन, नरोरा परमाणु बिजली घर
- श्री के, सी, राकेश, वैज्ञानिक अधिकारी/ ई, प्रशिक्षण केंद्र, नरोरा परमाणु बिजली घर
- डॉ रेखा राय, स्वास्थ प्रशिक्षण अधिकारी, कसेर कला प्रथमिक स्वास्थ केंद्र
- श्री ए, के, मिश्रा, वैज्ञानिक अधिकारी/ ई, परिवहन, नरोरा परमाणु बिजली घर
- प्रशिक्षण केंद्र एवम पर्यावरण सर्वेक्षण प्रयोगशाला के सभी अधीकरी एवम कर्मचारी
- श्री हरपाल सिंग यादव, छाया चित्रकार, तकनिकी सेवा, नरोरा परमाणु बिजली घर

राघवेंद्र देवलालीकर

दिनांक: मर्च 28, 2015

डॉ रघवेंद्र देवललीकर

Report on Training Program for ASHAs Debai Block, Bulandshahr District.

Accredited Social Health Activists [ASHAs] are integral part of the State Health care delivery system under the National Rural Health Mission of the Government of India. These are mainly female employees belonging to the same village and visit door to door every house for the rendering health care. Their job profile involves mother and child health, distribution of Iron, and folic acid supplements to pregnant women, promoting institutional safe delivery, timely immunization, imparting information on health and hygiene, family planning measures, rendering the treatment for malaria and even helping in construction of domestic toilets.

The NRHM defines their role as "Empowered with knowledge and a drug-kit to deliver first-contact healthcare, every ASHA is expected to be a fountainhead of community participation in public health programmes in her village".

Considering the important role these ASHAs play in every village, the Occupational Health Centre, Narora Atomic Power Station designed a program for the ASHAs covering the Debai Block, on the topic "Radiation Awareness". Debai block is the immediate block adjoining the NAPS and covers about seventy five villages, spread across twenty four Sub-Centres. These ASHAs in turn cover an approximate population of Two Lakh fifteen thousand and seventy.

The program was intended to help them understand Radiation, its benefits, robustness of the safety features and safety guidelines followed at Nuclear Power Plants and the preparedness levels for any emergencies.

These programs were organized with support, encouragement and guidance from our esteemed Station Director Shri. D.S.Choudhary, and Chief Superintendent Shri A.K.Dutta.

Debai block has 105 ASHAs, 23 Auxiliary Nurse Midwives [ANMs] and 7 supervisors. Each supervisor is in charge of about three ANMs, and each ANM is in charge of about five to six AHSAs .

A batch of about 35 ASHAs with their ANMs and the supervisor meet on successive Fridays at their controlling Primary Health Centre [PHC] - Kaser Kala PHC – for their weekly training meetings. Thus we too organized our programs on successive Fridays – March 13$^{th}$, March 20$^{th}$ and March 27$^{th}$, 2015- with due consent of the Medical Officer in-charge Kaser Kala.

The entire batch of ASHAs, their ANMs and supervisors, on each Friday, were brought to the Station Training Centre [STC], in our departmental bus and the program comprised of the following:

Two Lecture presentations followed by Lunch and then Field visits to the Environmental Survey Laboratory [ESL] and the Model Room of the STC.

1) My-friend Radiation – By Dr.R.Deolalikar, Certifying Surgeon, NAPS. This presentation comprised of the importance of the Radiation, its omnipresence, importance of various radiation doses vis-à-vis doses encountered in medical diagnostics, defence in depth, emergency preparedness, basics of external contamination, simple measure of